भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 887

26 जुलाई, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष में शैक्षिक गतिविधियां

887. डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री बस्तीपति नागराजू:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास देश में शैक्षिक गतिविधियां, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण प्रदान करके आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो ऐसी योजनाओं के घटकों का ब्यौरा के साथ ऐसी योजनाओं के शुभारंभ की तिथि क्या है; और

(ग) इस योजना ने राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेषकर महाराष्ट्र राज्य और पालघर जिले में क्या उपलब्धियां हासिल की हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जी हां, आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से आयुर्ज्ञान नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य एक्स्ट्रा म्यूरल अनुसंधान गतिविधियों द्वारा आयुष में अनुसंधान और नवाचार को सहयोग देना और अकादमिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि द्वारा शिक्षा प्रदान करना है। यह योजना दिनांक 08.06.2021 से प्रभावी है।

इस योजना के तीन घटक हैं यथा वित्तीय वर्ष 2021-22 से (i) आयुष में क्षमता निर्माण एवं सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान और नवाचार तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 से योजना के तहत तीसरा घटक नामत: आयुर्वेद जीवविज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान को भी जोड़ा गया है।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय वर्ष 2021-22 से एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना नामत: आयुर्स्वास्थ्य योजना को भी कार्यान्वित कर रहा है i) उत्कृष्टता केंद्र; और ii) आयुष में जन स्वास्थ्य नामक 02 घटक हैं। उत्कृष्टता केंद्र के तहत, राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयुष को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक शिक्षा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और नवाचार तथा ऐसे अन्य क्षेत्रों में आयुष पेशेवरों की सक्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है। दोनों योजनाओं के विस्तृत दिशानिर्देश मंत्रालय की वेबसाइट (www.ayush.gov.in) पर उपलब्ध हैं।

(ग): दोनों योजनाएं केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं हैं और किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों तथा प्रदेशों के लिए विशिष्ट नहीं हैं। योजनाओं के तहत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार निधियॉ आवंटित नहीं की जाती हैं और

योजना के दिशानिर्देशों में निहित प्रावधानों के अनुसार संपूर्ण देश में पात्र संगठनो/संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, अपनी शुरुआत से लेकर अब तक दोनों योजनाओं की उपलब्धियाँ निम्न प्रकार हैं:

1. **आर्युज्ञान योजना**

i) **<u>आयुष में क्षमता निर्माण एवं सीएमई घटक के तहत</u>**:

- आयुष शिक्षकों, डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और आयुष/गैर-आयुष वैज्ञानिकों/डॉक्टरों आदि के लिए विभिन्न विषयों में, वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 2.70 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.25 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.50 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 0.69 करोड़ रुपये (15.07.2024 तक) क्रमशः 28, 73, 49 और 08 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जारी/वितरित किए गए।

ii) **<u>आयुष में अनुसंधान एवं नवाचार घटक</u>**

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.76 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2.82 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.00 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 1.08 करोड़ रुपये (15.07.2024 तक) क्रमशः 21, 25, 32 और 08 अनुसंधान परियोजनाओं (नई + जारी) के लिए जारी किए गए।

iii) **<u>आयुर्वेद जीवविज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान</u>**

- इस घटक को वित्त वर्ष 2023-24 से आयुर्ज्ञान योजना में जोड़ा गया था और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 02 शोध अध्ययनों के लिए 6.16 करोड़ रुपये की निधियां जारी की गई थीं।

2. **आर्युस्वास्थ्य योजना**

योजना के उत्कृष्टता केंद्र घटक के अंतर्गत, आयुष कर्मियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए अब तक कुल 15 सम्मेलन, 85 कार्यशालाएँ और 28 सेमिनार आयोजित किए गए हैं।

इसके अलावा, दोनों योजनाओं के तहत, आयुष में शिक्षा और अनुसंधान एवं नवाचार के लिए महाराष्ट्र राज्य (पालघर जिले सहित) में स्थित विभिन्न संगठनों/संस्थानों को समर्थित कार्यक्रम/परियोजनाओं का विवरण **संलग्नक-I** में दिया गया है।

उपरोक्त योजनाओं के साथ ही, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत, अनुसंधान परिषदें और आयोग आयुष में शिक्षा, अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों को भी संचालित कर रहे हैं। ऐसे पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों का विवरण **संलग्नक-II** में दिया गया है।

******

संलग्नक-I

महाराष्ट्र राज्य और पालघर जिले में स्थित संस्थानों/संगठनों को जारी की गई निधियाँ

क. आर्युज्ञान योजना के आयुष घटक में अनुसंधान और नवाचार: आयुष में अनुसंधान गतिविधियों के लिए वित्त पोषित **महाराष्ट्र** राज्य में स्थित संगठनों का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	वित्त वर्ष	संस्थान का नाम	जारी की गई निधि (रू.में)
1.	2021-22	आयुर्वेद सेवा संघ (आयुर्वेद सेवासंघ'ज आयुर्वेद महाविद्यालय), गणेशवाड़ी, पंचवटी, नासिक	10,00,408/-
2.	2021-22	इंटरैक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हैल्थ अफेयर्स, भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे	13,71,600/-
3.	2021-22	सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज एवं केईएम अस्पताल, परेल, मुंबई	725000/-
4.	2021-22	एमएमईआरसी'ज जेडवीएम यूनानी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, के बी हिदायतुल्ला रोड, न्यू मोदीखाना आज़म कैंपस, 2390, शंकर शेठ रोड, पुणे	3,05,600/-
5.	2021-22	एमसीई सोसायटी'ज अल्लाना कॉलेज ऑफ फार्मेसी, 2390/ बी - के.बी. हिदायतुल्ला रोड, न्यू मोदीखाना, आज़म कैंपस, कैंप, पुणे	3,59,844/-
6.	2022-23	सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ बायोमेडिकल साइंस, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड यूनिवर्सिटी) पुणे	13,98,520/-
7.	2022-23	भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, धनकवाड़ी, पुणे	9,09,400/-
8.	2023-24	भारती विद्यापीठ डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे-सतारा रोड, धनकवाड़ी, पुणे	6,45,767/-
9.	2024-25	डॉ एम एल धवले मेमोरियल ट्रस्ट, बीएमसी'ज समग्र मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र, मुंबई	14,18,500/-
10.	**2024-25**	सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सीआईआईएमएस), बजाज नगर, नागपुर	8,14,320/-
		कुल	**89,48,959/-**

ख. आयुर्ज्ञान योजना के आयुष घटक में क्षमता निर्माण और सीएमई

महाराष्ट्र राज्य में स्थित आयुष कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु विभिन्न संगठनों को समर्थित सीएमई कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार है:

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थान/संगठन का नाम	वर्ष	जारी की गई निधि	स्वीकृत कार्यक्रम का नाम
1.	डॉ. डी.वाई. पाटिल आयुर्वेद कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, पिंपरी, पुणे	2021-22	9.00	डॉक्टरों के लिए 6 दिवसीय सीएमई (मॉड्यूल 1 और 2)
2.	स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज सावित्रीबाई फुले, पुणे	2021-22	32.00	आयुष पेशेवरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम वेब-आधारित कार्यक्रम
	कुल (2021-22)		**41.00**	
3.	आयुर्वेद प्रसारक मंडल (एपीएम) आयुर्वेद महाविद्यालय, मुंबई	2022-23	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई: 1.संहिता और सिद्धांत
4.	श्री आयुर्वेद महाविद्यालय, नागपुर	2022-23	18.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई: 1.कायाचिकित्सा; 2.अगद तंत्र

5.	इंटरनेशनल सोसाईटी फॉर कृष्ण कॉशिएसनेस, पालघर	2022-23	15.00	1. डॉक्टरों के लिए 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम 2. पैरामेडिक्स के लिए 6 दिवसीय सीएमई
6.	इंटरएक्टिव रिसर्च स्कूल फॉर हेल्थ अफेयर्स (आईआरएसएचए), भारती विद्यापीठ टू बी डीम्ड यूनिवर्सिटी, पुणे	2022-23	9.00	50 प्रतिभागियों के लिए 2 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन/कार्यशाला
7.	माननीय श्री अन्ना साहेब डांगे आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान केंद्र, आस्था	2022-23	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई: 1.शाल्यक तंत्र
8.	आर.ए पोद्दार आयुर्वेद महाविद्यालय वर्ली	2022-23	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई: 1.शल्यतंत्र
9.	आयुर्वेद सेवा संघ (संचलित आयुर्वेद महाविद्यालय), नासिक	2022-23	9.00	आयुष डॉक्टरों के लिए 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम
10.	सेठ चंदनमल मुथा आर्यगला वाद्यक महाविद्यालय, सतारा	2022-23	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई: 1. फार्माकोग्नॉसी
11.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीसीआरएएस की इकाई), पुणे	2022-23	9.00	आयुष डॉक्टरों/वैज्ञानिकों के लिए आयुर्वेद औषधि विकास में वर्तमान रुझान पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
12.	केन्द्रीय आयुर्वेद व्यासपीठ, नासिक	2022-23	1.50	50 निजी चिकित्सकों के लिए 2 दिवसीय विषय विशेषज्ञता सीएमई कार्यक्रम
13.	डॉ. डी.वाई. पाटिल आयुर्वेद कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, पिंपरी	2022-23	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई शालक्य तंत्र
14.	मोहम्मदिया तिब्बिया कॉलेज एवं अस्सेयर अस्पताल, नासिक	2022-23	9.00	ऐन-उज़्न-अन्फ़-हलक-वा-आसन पर शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई
15.	डॉ. एम.एल धवले मेमोरियल होम्योपैथिक संस्थान, **पालघर**	2022-23	18.00	1. सीएमई के पात्र स्रोत व्यक्तियों के लिए आयुष में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) 2. मटेरिया मेडिसिया पर शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई।
	कुल (2022-23)		**133.50**	
16.	श्री आयुर्वेद महाविद्यालय, धन्वंतरि रोड, नागपुर	2023-24	9.00	क्रिया शारीर पर शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई
17.	आर.ए. पोदार आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, वर्ली मुंबई	2023-24	9.00	पीटी एवं एसआर पर शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम
18.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, (सीसीआरएएस की इकाई) पुणे	2023-24	9.00	द्रव्यगुण बेसिक्स टू एडवांसमेंट पर शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई
19.	कैवल्यधाम, स्वामी कुवलयानंद मार्ग, लोनावला	2023-24	9.00	योग शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई
20.	मोतीवाला नेशनल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, नासिक	2023-24	9.00	शिक्षकों के लिए 6 दिवसीय सीएमई कार्यक्रम: ऑर्गनन ऑफ मेडिसिन;
	कुल (2023-24)		**45.00**	

ग. आयुर्स्वास्थ्य योजना का उत्कृष्टता केंद्र घटक: महाराष्ट्र राज्य में स्थित, अनुसंधान गतिविधियों के लिए, विभिन्न संगठनों की समर्थित परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

(लाख रुपये में)

क्र.सं.	संगठन का नाम	वित्त वर्ष 2022-23 जारी की गई निधियां	वित्त वर्ष 2023-24 जारी की गई निधियां
1.	सावित्रीबाई फुले पुणे, विश्वविद्यालय (एसपीपीयू), पुणे	200.00	52.62
2.	टाटा मेमोरियल सेंटर, (टीएमसी) मुंबई	200.00	162.78
	कुल	**400.00**	**215.40**

संलग्नक-II

शिक्षा, अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषद और आयोग द्वारा संचालित कार्यक्रम/परियोजना का विवरण निम्न प्रकार है:

क्र.सं.	संस्थान/संगठन का नाम	पाठ्यक्रम/कार्यक्रम
1.	**केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)**	**1. शिक्षा-** ▪ **<u>इंटरमीडिएट/सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (बारहवीं कक्षा</u>** XII) **<u>वाले अभ्यर्थी -</u>** • पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम (पीटीसी) • **<u>स्नातक-</u>** • पंचकर्म थेरेपी में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (सीसीपीटी) • मर्म चिकित्सा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (सीसीएमसी) **2. अनुसंधान**- ▪ **<u>स्नातक विद्यार्थी-</u>** • आयुर्वेद अनुसंधान छात्रवृत्ति कार्यक्रम केन (स्पार्क) ▪ **<u>स्नातकोत्तर विद्यार्थी-</u>** • स्नातकोत्तर शोधार्थियों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान प्रशिक्षण योजना (पीजी-एसटीएआर) ▪ **<u>स्नातकोत्तर</u>** • आयुष पीएच.डी फेलोशिप कार्यक्रम • सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ) ▪ **<u>पीएच.डी धारक (आयुर्वेद और गैर-आयुर्वेद दोनों)</u>** - • सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ) **3. क्षमता निर्माण**: ▪ परिषद ने आयुर्वेद में एमडी/एमएस करने वाले छात्रों की सुविधा के लिए **"आयुर्वेद अनुसंधान कार्य पद्धति और सांख्यिकी (एआरएमएस)"** पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को उनके शोध सारांश की आयोजना और विकास में मार्गदर्शन प्रदान करना है और चिकित्सीय लेखन में उनके कौशल को बढ़ाना है। ▪ परिषद ने, परिषद के अधिकारियों, आयुर्वेद विद्वानों, विभिन्न आयुर्वेद कॉलेजों के शिक्षण संकाय सदस्यों और निजी चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और सतत चिकित्सा शिक्षा के लिए समय-समय पर कई उपाय किए हैं। (i) **स्कोप फॉर मेनस्ट्रीमिंग आयुर्वेद रिसर्च इन टीचिंग प्रोफेशन (स्मार्ट) कार्यक्रम:** इस योजना के तहत परिषद, सीसीआरएएस के तहत संस्थानों द्वारा आपसी सहयोग और समन्वय के माध्यम से आयुर्वेद शिक्षाविदों और तृतीयक देखभाल वाले अस्पतालों के बीच आयुर्वेद में एकीकृत अनुसंधान के माध्यम से सुदृढ़ नैदानिक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए शिक्षाविदों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। ▪ स्मार्ट कार्यक्रम के अंतर्गत, 12 अध्ययन स्थलों पर 03 बहुकेंद्रीय ओए अध्ययन, 12 स्थलों पर 03 आईडीए अध्ययन, 08 अध्ययन स्थलों पर 02 सोरायसिस अध्ययन, 04 स्थलों पर प्रत्येक में 1 जीएडी, 1 आरए और 01

<table>
<tr><td></td><td></td><td>डिस्लिपिडेमिया अध्ययन शुरू किए गए हैं। संक्षेप में, भारत भर के 38 कॉलेजों के 44 अध्ययन स्थल इस शोध परियोजना को शुरू करने के लिए 10 समन्वयकारी सीसीआरएएस संस्थानों के साथ सहयोग करेंगे।</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद</td><td>परिषद ने क्षमता निर्माण के लिए पिछले 10 वर्षों में लगभग 230 प्रशिक्षण कार्यक्रम और 252 सम्मेलन, सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित की हैं। परिषद के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, मुंबई ने भी 26 सेमिनार/कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद</td><td>सीसीआरएच द्वारा अनुसंधान प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण के लिए आयोजित वर्षवार वेबिनार निम्नानुसार हैं:-
<table>
<tr><th>वर्ष</th><th>संख्या</th><th>प्रतिभागी</th></tr>
<tr><td>2020-2021</td><td>199</td><td>15619</td></tr>
<tr><td>2021-2022</td><td>202</td><td>18201</td></tr>
<tr><td>2022-2023</td><td>103</td><td>3822</td></tr>
<tr><td>2023-24</td><td>87</td><td>34279</td></tr>
<tr><td>कुल</td><td>591</td><td>71,921</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>4.</td><td>केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद</td><td>सीसीआरएस ने सिद्ध अनुसंधान के विभिन्न विषयों में नवीन विचारों और नवाचारों के वाणिज्यिक दोहन और समाज के लाभ के लिए उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं का समावेश करके नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मूल्य-श्रृंखला उन्नयन के लिए अकादमिक-उद्योग अनुसंधान इनक्यूबेशन नामक (एआरआईवीयू) इनक्यूबेटरी सेल की स्थापना की है। इस योजना के तहत ऐसे प्रस्तावों पर विचार किया जाता है जिनका भारत में सामाजिक और रणनीतिक प्रभाव होगा तथा जिनमें बड़े पैमाने पर संसाधन सृजन, प्रभावशील मूल्य और सीसीआरएस एवं एआरआईवीयू इनक्यूबेशन गतिविधियों की दृश्यता संबंधी क्षमता होगी।</td></tr>
<tr><td>5.</td><td>राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग</td><td><u>एनसीएच द्वारा प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण</u>
• आयोग द्वारा जून-जुलाई 2022 के दौरान केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के सहयोग से ऑनलाइन नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कुल 600 संकाय और 2300 पीजी छात्रों ने भाग लिया।
• प्रथम बीएचएमएस के सभी संकाय सदस्यों के लिए जोनवार योग्यता आधारित गतिशील पाठ्यक्रम (सीबीडीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 14 फरवरी 2023 से 20 मार्च 2023 तक आयोजित 1 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत भर के 203 होम्योपैथी मेडिकल कॉलेजों के कुल 1227 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।
• प्रवेश प्रबंधन, मेडिकल क्वॉलिफिकेशन रिकग्नीशन मॉड्यूल, शिक्षण प्रबंधन पद्धति आदि जैसे विभिन्न मॉड्यूलों के लिए शैक्षिक जीवन चक्र प्रबंधन सॉफ्टवेयर विकसित किया गया और कार्यरत है।</td></tr>
<tr><td>6.</td><td>भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग</td><td><u>अनुसंधान करने हेतु पहलें</u>

1. अन्वेषणम: रस-भस्म रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग या मान्यता प्राप्त आयुर्वेद संस्थानों के रसशास्त्र के शिक्षकों तथा आयुर्वेद चिकित्सकों से नए "रसौषधि" अथवा "नई सामग्री की भस्म" तैयार करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिसका वर्णन किसी भी आयुर्वेद शास्त्रीय ग्रंथ में नहीं है।
2. एनसीआईएसएम ने पब्लिकेशन एथिक्स, रिसर्च इंटीग्रिटी और वैज्ञानिक</td></tr>
</table>

		लेखन में पारंगत **60 मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित** किया है, ताकि देश भर में एएसयूएस स्नातकोत्तर संस्थानों के सभी पीजी गाइडों को प्रशिक्षित किया जा सके। 3. स्टूडेंटशीप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क) 4. स्नातकोत्तर विद्वानों हेतु आयुर्वेद अनुसंधान प्रशिक्षण योजना (पीजी-एसटीएआर) 5. संस्कृत भाषा के लिए उपकरण